પરિપત્ર:

ભક્તકવિ નરસિંહ મહેતા યુનિવર્સિટીની આર્ટસ વિદ્યાશાખાનાં અભ્યાસક્રમ ચલાવતી તમામ સંલગ્ન કોલેજોનાં આચાર્યશ્રીઓને સવિનય જણાવવાનું કે આર્ટસ વિદ્યાશાખા હેઠળનો NEP-૨૦૨૦ અંતર્ગતનો હિન્દી વિષયનો (બી.એ.વિથ ઓનર્સ) નો સેમેસ્ટર-૧ (શિક્ષણ વિભાગની SOP પ્રામાણેની પેપર સ્ટાઈલ સાથે), સેમેસ્ટર-૨ નો અભ્યાસક્રમ આ સાથે સામેલ છે.

માનનીય કુલપતિશ્રીની મંજુરી અનુસાર સદર અભ્યાસક્રમ શૈક્ષણિક વર્ષ જુન,૨૦૨૩થી અમલવારી કરવાની રહે છે. આર્ટસ વિદ્યાશાખાનાં અભ્યાસક્રમ ચલાવતી તમામ સંલગ્ન કોલેજો ધ્વારા તેની અમલવારી કરવા જણાવવામાં આવે છે.

Bhakta Kavi Narsinh Mehta University Junagadh

28/12/2023

ખાસ ફરજ પરના અધિકારી
(એકેડેમિક)

ક્રમાંક/બીકેએનએમયુ/એકેડેમિક/૨૧૭૪/૨૦૨૩-૨૦૨૪
ભક્તકવિ નરસિંહ મહેતા યુનિવર્સિટી,
સરકારી પોલીટેકનિક કેમ્પસ,
ભક્તકવિ નરસિંહ મહેતા યુનિવર્સિટી રોડ,
ખડીયા, જૂનાગઢ-૩૬૨૨૬૩
તા.૨૮/૧૨/૨૦૨૩

પ્રતિ,

- ભક્તકવિ નરસિંહ મહેતા યુનિવર્સિટી સંલગ્ન આર્ટસ વિદ્યાશાખાનાં અભ્યાસક્રમો ચલાવતી તમામ કોલેજોના આચાર્યશ્રીઓ તરફ....

નકલ સાદર રવાનાઃ-

- માન.કુલપતિશ્રી/કુલસચિવશ્રીનાં અંગત સચિવશ્રી.
- પરીક્ષા નિયામકશ્રી, ભક્તકવિ નરસિંહ મહેતા યુનિવર્સિટી, જુનાગઢ

નકલ રવાના જાણ તથા યોગ્ય કાર્યવાહી અર્થેઃ

- સીસ્ટમ મેનેજરશ્રી, આઇ.ટી.સેલ વિભાગ (વેબસાઇટ ઉપર પ્રસિદ્ધ થવા અર્થે.)

Bhakta Kavi Narsinh Mehta University
Junagadh

BOARD OF HINDI STUDIES

FACULTY OF ARTS

SYLLABUS FOR

BACHELOR OF ARTS (HONOURS) PROGRAMME

(SEMESTER- I, II)

EFFECTIVE FROM JUNE, 2023

❖ हिन्दी शिक्षण के सामान्य उद्देश्य

१. छात्रों को शुद्ध बोलने तथा शुद्ध लिखने का ज्ञान देना।
२. सरल एवं प्रभाव पूर्ण तथा स्पष्ट भाषा में अपने भाव और अनुभूतियों एवं विचारों को व्यक्त करना।
३. दूसरों की लिखी हुई भाषा एवं बोली हुई भाषा को समझने की योग्यता उत्पन्न करना।
४. भाषा को हावभाव के साथ एवं आरोह-अवरोह के साथ वचन करने की कला का ज्ञान होना।
५. छात्रों के ज्ञान, विवेक एवं चरित्र का विकास करना।
६. पठन-पाठन के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
७. छात्रों को सत-साहित्य की रचना के योग्य बनाना तथा मानव जीवन की विभिन्न परिस्थितियों का अध्ययन करा कर उन्हें भावी जीवन के लिए तैयार करना।
८. छात्रों को लोकोक्तियाँ एवं मुहावरों का ज्ञान दिलाना।
९. छात्रों में क्रमबद्ध विचार करने, भाव को अभिव्यक्त करने, तथा ज्ञानार्जन के प्रति गहरी रूचि उत्पन्न करने का प्रयास करना।
१०. पुस्तक को निहित ज्ञान भंडार का अवलोकन कर स्वाध्याय के प्रति गहरी रुचि उत्पन्न करना।
११. साहित्य का लक्ष्य उत्तम नागरिक उत्पन्न करना भी हैं इसीलिए हिन्दी शिक्षण का उद्देश्य नागरिकता के उत्तम से उत्तम गुणों का विकास भी हैं।

❖ उच्च शिक्षा स्तर पर हिन्दी शिक्षण के उद्देश्य

१. छात्रों को शुद्ध शब्द उच्चारण ध्वनि निर्गम धैर्य तथा आत्मविश्वास एवं प्रवाह उत्साह के साथ बोलने के कौशल का विकास करना।
२. हिन्दी भाषा और साहित्य की शिक्षा के माध्यम से छात्रों में राष्ट्रीयता की भावना को उजागर करना।
३. छात्रों में सुंदर लेख, शुद्ध वर्तनी एवं व्याकरण संबंध वाक्य रचना के कौशल का विकास करना।
४. छात्रों में शुद्ध एवं शिष्ट भाषा सीखने तथा इन की सामान्य जानकारी प्राप्त करने की प्रवृत्ति का विकास करना।
५. छात्रों को हिंदी की पाठ्य पुस्तकों के माध्यम से मानव उपयोगी ज्ञान कराना।
६. छात्रों में भाषा एवं उसके साहित्य के प्रति आदर पूर्ण भाव का निर्माण करना।
७. छात्रों में व्याकरण संबंधी सूत्रों के उच्चारण एवं सृजनात्मक क्षमता की वृद्धि करना।
८. छात्रों में चिंतन की प्रवृत्ति का विकास करना।
९. छात्रों को भाषा के व्यवहारिक विश्लेषण में निपुण बनाना।
१०. छात्रों को व्यवहारिकता का ज्ञान कराना तथा अन्य विषयों का साहित्यिक अध्ययन कराना।
११. छात्रों को निबंध, संवाद, सारांश, पत्र इत्यादि लिखने की कला कुशलता उत्पन्न करने का प्रयास करना।

हिन्दी पाठ्यक्रम परिणाम..... (Outcomes)

- हिन्दी में शिक्षा को हासिल करना सरल है।
- हिन्दी भाषा पारंपरिक ज्ञान, प्राचीनतम सभ्यता ज्ञान और आधुनिक विकास के लिए एक अत्यंत आवश्यक भाषा हैं।
- हिन्दी संस्कृत का एक सरल रूप है, जिसके द्वारा हम ऐतिहासिक रहस्यों को पढ़ सकते है और एक अनोखी खोज की जा सकती हैं।
- वर्तमान में हिन्दी भाषा विश्व की प्रभावी भाषा बन चुकी है, विदेशी लोग भी इसे पढ़ रहे हैं, ताकि वे आधुनिक प्रगति कर सके, इसलिए हमें भी हिन्दी भाषा में निपुण बनना होगा।
- हिन्दी भाषा का इतिहास में भी बहुत महत्वपूर्ण योगदान है, जिसे जानना हमारे लिये बहुत महत्वपूर्ण है।
- हिन्दी भाषा में शिक्षित होना बहुत आवश्यक है और इसके लिए हिन्दी को शिक्षा में लाना बहुत आवश्यक हैं।
- अब हिन्दी केवल राजभाषा तक ही सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक बाजार में भी अपनी जगह बना रही है। चाहे वह अध्यापन का कार्य हो या कॉल सेंटर्स, टूरिज्म और इंटरप्रेटर का, सभी में अवसर हैं।
- हिन्दी भाषा पर अच्छी पकड़ होने के कारण छात्रों को पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रवेश करने में आसानी होती है।
- हिन्दी के छात्रों के लिए विभिन्न बैंक राजभाषा अधिकारी की नियुक्ति करते हैं। हिन्दी भाषा अधिनियम का प्रावधान है कि सभी संस्थानों में हिन्दी अधिकारी को रखना पड़ेगा। भारत सरकार व निजी संस्थान में हिन्दी अधिकारी के रूप में काम करने का अवसर सामने आता है। देश-विदेश में सरकारी संस्थानों में हिन्दी सलाहकार के रूप में भी काम करने का अवसर भी मिल सकता है।
- यदि आप किसी दूसरी भाषा पर पकड़ रखते हैं, तो अनुवादक भी बन सकते हैं। विभिन्न ट्रेवल एजेंसियाँ और सरकारी व निजी संस्थान ऐसे लोगों को मौका देते हैं। हिन्दी का ज्ञान होने के साथ-साथ आपको अंग्रेजी का भी ज्ञान होना चाहिए। कर्मचारी चयन आयोग हर साल हिन्दी अनुवादकों की भर्ती करता है।
- हिन्दी से स्नातक करने के बाद विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होकर बैंक, न्यायिक सेवा, सिविल सर्विस और स्टेट सर्विस के अलावा रेलवे व बैंक आदि में भी नौकरी के बेहतर अवसर हो सकते हैं।
- हिन्दी भाषा और साहित्य के छात्र लिंग्विस्टिक का भी कोर्स कर सकते हैं और अच्छी नौकरी पा सकते हैं। इसके साथ ही अगर हिन्दी में अच्छी पकड़ है, तो क्रिकेट कमेंटरी से लेकर फैशन जगत व एड एजेंसी और एनजीओ में भी करियर बनाया जा सकता है।

प्रथम सत्र

क्रम	कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	पाठ्यक्रम क्रमांक	पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक	कुल व्याख्यान
१	स्नातक	प्रथम	Major HNM201 - 1C	१	हिन्दी कविता साहित्य : मैथिलीशरण गुप्त (१) सखि वे मुझसे कहकर जाते (२) किसान (३) उर्मिला का अनुराग (४) मातृभूमि (५) भारतवर्ष	०४	५०	५०	१००	६०
			Major HNM202 - 1C	२	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल)	०४	५०	५०	१००	६०
२	स्नातक	प्रथम	Minor HNE201 - 1C	१	उपन्यास : गंगामैया – भैरवप्रसाद गुप्त	०४	५०	५०	१००	६०
३	स्नातक	प्रथम	Multidisciplinary Course MDC201 - 1C	१	चयनित कहानीकार : प्रेमचंद (१) कफन (२) इदगाह (३) पंचपरमेश्वर (४) नमक का दारोगा (५) सुजान भगत	०४	५०	५०	१००	६०
४	स्नातक	प्रथम	Ability Enhancement Course AEC201 - 1C	१	हिन्दी कहानी साहित्य (१) जयशंकर प्रसाद – पुरस्कार (२) चंद्रधर शर्मा गुलेरी – उसने कहा था (३) सुदर्शन – हार की जीत (४) मन्नू भंडारी – अकेली	०२	२५	२५	५०	३०
५	स्नातक	प्रथम	Skill Enhancement Course SEC201 -1C	१	हिन्दी अनुवाद लेखन	०२	२५	२५	५०	३०
६	स्नातक	प्रथम	Value Added Course VAC201 - 1C	१	-	०२	२५	२५	५०	३०
					कुल	२२	२७५	२७५	५५०	

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – २०२०

कला-संकाय – स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम – प्रथम सत्र - वर्ष २०२३

विषय	**हिन्दी**
सत्र	**०१**
पाठ्यक्रम प्रकार	**Major - मुख्य पाठ्यक्रम HNM201 - 1C**
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	**हिन्दी कविता साहित्य : मैथिलीशरण गुप्त {(१) सखि वे मुझसे कहकर जाते (२) किसान (३) उर्मिला का अनुराग (४) मातृभूमि (५) भारतवर्ष }**
पाठ्यक्रम क्रमांक	**०१**
परीक्षा समयावधि	**२:०० घण्टे**

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	पाठ्यक्रम क्रमांक	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक
स्नातक	**०१**	**Major - HNM201 - 1C मुख्य पाठ्यक्रम**	**०१**	**०४**	**५०**	**५०**	**१००**

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रों को हिन्दी कविता साहित्य से परिचित कराना ।
- छात्रों को मैथिलीशरण गुप्त जी की कविताओं के माध्यम से मानवीय-मूल्यों के प्रति उन्मुख कराना ।
- छात्रों को हिन्दी के सिद्धहस्त कवि मैथिलीशरण गुप्त जी से परिचित कराना।
- राष्ट्रीय कवि मैथिलीशरण गुप्त जी की कविताओं के द्वारा छात्रों में राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव का गुण विकसित करना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक
स्नातक	ईकाई–१	मैथिलीशरण गुप्त जी का व्यक्तित्व – कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०४ × १० = ४० (आलोचनात्मक) ०१ × १० = १० (टिप्पणी चार में से किन्हीं दो ५×५ = १०)
		'सखि वे मुझसे कहकर जाते' – समग्रलक्षी मूल्यांकन	
	ईकाई–२	'किसान' – समग्रलक्षी मूल्यांकन	
		'उर्मिला का अनुराग' – समग्रलक्षी मूल्यांकन	
	ईकाई–३	'मातृभूमि' – समग्रलक्षी मूल्यांकन	
	ईकाई–४	'भारतवर्ष' – समग्रलक्षी मूल्यांकन	
		कुल अंक	५०

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक
स्नातक	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए पच्चीस अंक निर्धारित हैं ।	२५
	सेमिनार	सेमिनार के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं ।	०५
	होम असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित होम असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	०५
	क्लास असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित क्लास असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	०५
	उपस्थिति	सत्र दौरान छात्र की उपस्थिति के पाँच अंक निर्धारित हैं ।	०५
	समूहचर्चा	समूहचर्चा के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं ।	०५
		कुल अंक	५०

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१.	आलोचनात्मक प्रश्न	२.००	०४	१०	४०
२.	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी)		०२	०५	१०

नोट : ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.०० घण्टे का रहेगा । ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ५० अंक का रहेगा ।	**पाठ्य पुस्तक :** **लेखक :** – **प्राप्ति स्थान :**

संदर्भ ग्रंथ :

१. प्रमुख खंड काव्यों में आधुनिकता बोध : डॉ. आलोक मिश्र – विकास प्रकाशन, कानपुर
२. कविता की जमीन और जमीन की कविता : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
३. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशींग हाउस, नई दिल्ली
४. हिन्दी और गुजराती कविता में राष्ट्रीय अस्मिता : एक तुलनात्मक अध्ययन : डॉ. एस. पी. शर्मा – शान्ति प्रकाशन, रोहतक
५. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल अब तक : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन
६. आधुनिक हिन्दी काव्य, डॉ. भगीरथ मिश्र – डॉ. बलभद्र तिवारी – मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
७. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
८. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
९. हिन्दी के निर्माण : कुमुद शर्मा – भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
१०. कवि धर्म, डॉ. कुंवर चन्द्रप्रकाश सिंह – प्रतिभा प्रतिष्ठापन, नयी दिल्ली
११. समकालीन कवि और काव्य : कल्याणचन्द्र – चिन्तन प्रकाशन, कानपुर
१२. लंबी कविताओं का रचना विधान : सं. नरेन्द्रमोहन – दि. मैकमिलकन कंपनी ऑफ इन्डिया लिमिटेड, दिल्ली
१३. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व और काव्य : डॉ. कमलाकांत पाठक – रणजीत प्रिन्टींग एण्ड पब्लिशर्स, दिल्ली
१४. मैथिलीशरण गुप्त : पुनर्मूल्यांकन : डॉ. नगेन्द्र–मीनाक्षी प्रकाशन, जयपुर रोड, अजमेर
१५. मैथिलीशरण गुप्त : प्रासंगिकता के अंत: सूत्र: कृष्णदत्त पालीवाल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
१६. मैथिलीशरण गुप्त : काव्य – संदर्भ कोश : डॉ. नगेन्द्र – प्रभात प्रकाशन, दिल्ली – ६
१७. हिन्दी साहित्य के निर्माता: मैथिलीशरण गुप्त : डॉ. प्रभाकर माचवे – प्रभात प्रकाशन, दिल्ली – १
१८. राष्ट्रीय चेतना के कवि: मैथिलीकरण गुप्ण : डॉ. अर्जुन शतपथी – पराग प्रकाशन, दिल्ली – ३२
१९. मैथिलीशरण गुप्त : युग और कविता : डॉ. ललित शुक्ल – समान्तर प्रकाशन, नयी दिल्ली
२०. हिन्दी महाकाव्यों में नायिका की परिकल्पना : डॉ. उर्मिला – सरस्वती प्रकाशन, कानपुर

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – २०२०

कला-संकाय – स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम – प्रथम सत्र - वर्ष २०२३

विषय	**हिन्दी**
सत्र	**०१**
पाठ्यक्रम प्रकार	**Major - मुख्य पाठ्यक्रम HNM202 - 1C**
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	**हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल)**
पाठ्यक्रम क्रमांक	**०२**
परीक्षा समयावधि	**२:०० घण्टे**

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	पाठ्यक्रम क्रमांक	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक
स्नातक	**०१**	**Major - HNM202 - 1C मुख्य पाठ्यक्रम**	**०२**	**०४**	**५०**	**५०**	**१००**

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण आदिकाल की साहित्यिक परिस्थितियों को विस्तार से समझे ।
- छात्रगण वीरगाथाकालीन आंदोलन के बारे में विस्तार से समझे ।
- छात्र आदिकाल के माध्यम से प्राकृतिक, अलौकिक रहस्यानुभूति महसूस करें ।
- छात्रगण रासो काव्यधारा का पठन करके एकता, बंधुत्व एवं राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत होंगे ।
- छात्र आदिकाल कविता के माध्यम से जन–साधारण की भावना को समझेंगे ।
- छात्रगण सिद्ध-सामंतयुगीन कविता के माध्यम से वर्ग संघर्ष की भावना को मिटाकर 'हम सब एक है' संदेश को सार्थक करेंगे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक
स्नातक	ईकाई–१	आदिकाल की परिस्थितियाँ	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०४ × १० = ४० (आलोचनात्मक) ०१ × १० = १० (टिप्पणी चार में से किन्हीं दो ५×५ = १०)
		आदिकाल की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ	
		आदिकाल का नामकरण	
	ईकाई–२	आदिकाल – सीमा निर्धारण की समस्या	
		आदिकाल 'वीरगाथाकाल' के रूप में	
		रासो साहित्य उद्भव-विकास	
	ईकाई–३	नाथ, सिद्ध एवं जैन साहित्य – संक्षिप्त परिचय	
		चंद बरदाई कृत 'पृथ्वीराज रासो' – संक्षिप्त परिचय	
		जगनिक कृत 'परमाल रासो' – संक्षिप्त परिचय	
	ईकाई–४	दलपति विजय कृत 'खुमाण रासो' – संक्षिप्त परिचय	
		शारंगधर कृत 'हम्मीर रासो' – संक्षिप्त परिचय	
		विद्यापति, अमीर खुसरो – संक्षिप्त परिचय	
		कुल अंक	५०

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक
स्नातक	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए पच्चीस अंक निर्धारित हैं ।	२५
	सेमिनार	सेमिनार के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं ।	०५
	होम असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित होम असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	०५
	क्लास असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित क्लास असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	०५
	उपस्थिति	सत्र दौरान छात्र की उपस्थिति के पाँच अंक निर्धारित हैं ।	०५
	समूहचर्चा	समूहचर्चा के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं ।	०५
		कुल अंक	५०

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१.	आलोचनात्मक प्रश्न	२.००	०४	१०	४०
२.	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी)		०२	०५	१०
नोट : ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.०० घण्टे का रहेगा । ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ५० अंक का रहेगा ।		**पाठ्य पुस्तक : हिन्दी साहित्य का इतिहास** **लेखक : – रामचन्द्र शुक्ल** **प्राप्ति स्थान : नागरी प्रचारिणी सभा, काशी**			

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशींग हाउस, नयी दिल्ली
२. हिन्दी साहित्य की प्रमुख कृति और कृतिकार : डॉ. नरेन्द्र भानवत – अनुपम प्रकाशन, जयपुर
३. हिन्दी साहित्य का सर्वेक्षण (गद्य–खण्ड) : विश्वम्भर 'मानव' – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
४. हिन्दी का गद्य पर्व : नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
५. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
६. लंबी कविताओं का रचना विधान : सं. नरेन्द्रमोहन – दि. मैकमिलकन कंपनी ऑफ इन्डिया लिमिटेड, दिल्ली
७. हिन्दी के निर्माण : कुमुद शर्मा – भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
८. कविता की जमीन और जमीन की कविता : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
९. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल अब तक : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन
१०. हिन्दी भाषा का इतिहास : प्रो. ओमप्रकाश तरूण : रीगल बुक डिपो, दिल्ली
११. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. ईश्वरदत्त शील : डॉ. आभारानी – चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर
१२. हिन्दी साहित्य का प्रवृतिपरक इतिहास : डॉ. सभापति मिश्र – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – २०२०

कला-संकाय – स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम – प्रथम सत्र - वर्ष २०२३

विषय	**हिन्दी**
सत्र	**०१**
पाठ्यक्रम प्रकार	**Minor - गौण पाठ्यक्रम HNE201 - 1C**
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	**उपन्यास – गंगामैया : भैरवप्रसाद गुप्त**
पाठ्यक्रम क्रमांक	**०१**
परीक्षा समयावधि	**२:०० घण्टे**

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	पाठ्यक्रम क्रमांक	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक
स्नातक	**०१**	**Minor - HNE201 - 1C गौण पाठ्यक्रम**	**०१**	**०४**	**५०**	**५०**	**१००**

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण भैरवप्रसाद गुप्त के व्यक्तित्व और कृतित्व से परिचित हो ।
- छात्रगण हिन्दी उपन्यास धारा से परिचित हो ।
- छात्र आँचलिक उपन्यास के माध्यम से प्राकृतिक, अलौकिक रहस्यानुभूति महसूस करें ।
- छात्रगण आँचलिक उपन्यास धारा का पठन करके एकता, बंधुत्व भावना से ओतप्रोत होंगे ।
- छात्र कृषक जीवन के माध्यम से जन-साधारण की भावना को समझेंगे ।
- छात्रगण वर्ग संघर्ष की भावना को मिटाकर 'हम सब एक है' संदेश को सार्थक करेंगे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक
स्नातक	ईकाई-१	**भैरवप्रसाद गुप्त का व्यक्तित्व एवं कृतित्व**	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०४ × १० = ४० (आलोचनात्मक) ०१ × १० = १० (टिप्पणी चार में से किन्हीं दो ५×५ = १०)
		'गंगामैया' उपन्यास की कथावस्तु	
	ईकाई-२	**उपन्यास के तत्वों के आधार पर 'गंगामैया' की समीक्षा**	
		'गंगामैया' उपन्यास के प्रमुख पात्र	
	ईकाई-३	**'गंगामैया' उपन्यास के गौण पात्र**	
		'गंगामैया' उपन्यास में व्यक्त कृषक जीवन और उनकी समस्याएँ	
	ईकाई-४	**'गंगामैया' उपन्यास में व्यक्त जीवन दर्शन**	
		'गंगामैया' उपन्यास की भाषा-शैली, उद्देश्य, शीर्षक, परिवेश	
		कुल अंक	५०

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक
स्नातक	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए पच्चीस अंक निर्धारित हैं ।	२५
	सेमिनार	सेमिनार के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं ।	०५
	होम असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित होम असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	०५
	क्लास असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित क्लास असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	०५
	उपस्थिति	सत्र दौरान छात्र की उपस्थिति के पाँच अंक निर्धारित हैं ।	०५
	समूहचर्चा	समूहचर्चा के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं ।	०५
		कुल अंक	५०

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१.	आलोचनात्मक प्रश्न	२.००	०४	१०	४०
२.	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी)		०२	०५	१०

नोट : ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.०० घण्टे का रहेगा ।
★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ५० अंक का रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : गंगामैया
लेखक : भैरवप्रसाद गुप्त
प्राप्ति स्थान : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशींग हाउस, नयी दिल्ली
२. हिन्दी साहित्य की प्रमुख कृति और कृतिकार : डॉ. नरेन्द्र भानवत – अनुपम प्रकाशन, जयपुर
३. हिन्दी साहित्य का सर्वेक्षण (गद्य–खण्ड) : विश्वम्भर 'मानव' – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
४. हिन्दी का गद्य पर्व : नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
५. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
६. गद्य विविधा : डॉ. नागेश्वर सिंह : डॉ. माया प्रसाद – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
७. हिन्दी के निर्माण : कुमुद शर्मा – भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
८. हिन्दी गद्य के विविध साहित्य–रूपों का उद्‌भव और विकास : डॉ. बलवन्त लक्ष्मण कोतमिरे –किताब महल, दिल्ली
९. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल अब तक : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन
१०. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. ईश्वरदत्त शील : डॉ. आभारानी – चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर
११. हिन्दी उपन्यास पृष्ठ भूमि और परम्परा : डा. बद्रीदास : ग्रंथम प्रकाशन, कानपुर
१२. https://hindisamay.com
१३. https://egyankosh.ac.in
१४. https://hi.wikipedia.org

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – २०२०

कला-संकाय – स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम – प्रथम सत्र - वर्ष २०२३

विषय	**हिन्दी**
सत्र	**०१**
पाठ्यक्रम प्रकार	**Multidisciplinary Course - बहुविषयक पाठ्यक्रम MDC201 - 1C**
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	**चयनित कहानीकार : प्रेमचंद ((१) कफन (२) इदगाह (३) पंचपरमेश्वर (४) नमक का दारोगा (५) सुजान भगत)**
पाठ्यक्रम क्रमांक	**०१**
परीक्षा समयावधि	**२:०० घण्टे**

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	पाठ्यक्रम क्रमांक	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक
स्नातक	**०१**	**Multidisciplinary Course – MDC201 - 1C बहुविषयक पाठ्यक्रम**	**०१**	**०४**	**५०**	**५०**	**१००**

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रों को हिन्दी कहानी साहित्य से परिचित कराना ।
- छात्रों को हिन्दी के सिद्धहस्त कथाकार प्रेमचंद जी से परिचित कराना।
- छात्रों को प्रेमचंद जी की कहानियों के माध्यम से मानवीय-मूल्यों के प्रति उन्मुख कराना ।
- गांधीयुगीन समाज चित्रण के द्वारा छात्रों में राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव और सामाजिक दायित्व का गुण विकसित करना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक
स्नातक	ईकाई–१	**प्रेमचंद जी का व्यक्तित्व-कृतित्व**	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०४ × १० = ४० (आलोचनात्मक) ०१ × १० = १० (टिप्पणी चार में से किन्हीं दो ५×५ = १०)
		'कफन' कहानी का समग्रलक्षी मूल्यांकन	
	ईकाई–२	**'इदगाह' कहानी का समग्रलक्षी मूल्यांकन**	
		'पंचपरमेश्वर' कहानी का समग्रलक्षी मूल्यांकन	
	ईकाई–३	**'नमक का दारोगा' कहानी का समग्रलक्षी मूल्यांकन**	
	ईकाई–४	**'सुजान भगत' कहानी का समग्रलक्षी मूल्यांकन**	
		कुल अंक	५०

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक
स्नातक	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए पच्चीस अंक निर्धारित हैं ।	२५
	सेमिनार	सेमिनार के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं ।	०५
	होम असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित होम असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	०५
	क्लास असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित क्लास असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	०५
	उपस्थिति	सत्र दौरान छात्र की उपस्थिति के पाँच अंक निर्धारित हैं ।	०५
	समूहचर्चा	समूहचर्चा के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं ।	०५
		कुल अंक	५०

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१.	आलोचनात्मक प्रश्न	२.००	०४	१०	४०
२.	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी)		०२	०५	१०

नोट : ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.०० घण्टे का रहेगा । ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ५० अंक का रहेगा ।	**पाठ्य पुस्तक :** प्रेमचंद कहानी रचनावली **संपादक :** डॉ. कमल किशोर गोयनका **प्राप्ति स्थान :** साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशींग हाउस, नयी दिल्ली
२. हिन्दी साहित्य की प्रमुख कृति और कृतिकार : डॉ. नरेन्द्र भानवत – अनुपम प्रकाशन, जयपुर
३. कहानी नयी पुरानी : नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
४. गद्य विविधा : डॉ. नागेश्वर सिंह : डॉ. माया प्रसाद – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
५. हिन्दी साहित्य का सर्वेक्षण (गद्य–खण्ड) : विश्वम्भर 'मानव' – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
६. हिन्दी गद्य के विविध साहित्य–रूपों का उद्‌भव और विकास : डॉ. बलवन्त लक्ष्मण कोतमिरे –किताब महल, दिल्ली
७. रामविलास, शर्मा (2008). प्रेमचंद और उनका युग. नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन
८. हिन्दी कहानी : एक अंतरंग परिचय : श्री उपेन्द्रनाथ अशक – नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद
९. हिन्दी का गद्य पर्व : नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
१०. बाहरी, डॉ॰ हरदेव (१९८६). साहित्य कोश, भाग-2,. वाराणसी: ज्ञानमंडल लिमिटेड.
११. सिंह, डॉ॰बच्चन (1972). प्रतिनिधि कहानियाँ. वाराणसी: अनुराग प्रकाशन, विशालाक्षी, चौक.
१२. प्रेमचंद क़लम का सिपाही : अमृतराय - हंस प्रकाशन, इलाहाबाद
१३. किसान राष्ट्रीय आन्दोलन और प्रेमचन्द : वीर भारत, तलवार - वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
१४. https://hindisamay.com
१५. https://egyankosh.ac.in
१६. https://hi.wikipedia.org

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – २०२०

कला-संकाय – स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम – प्रथम सत्र - वर्ष २०२३

विषय	**हिन्दी**
सत्र	**०१**
पाठ्यक्रम प्रकार	**Ability Enhancement Course (AEC) - क्षमता वृद्धि पाठ्यक्रम AEC201 - 1C**
पाठ्यक्रम क्रमांक	**०१**
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	**हिन्दी कहानी साहित्य** **(१) जयशंकर प्रसाद – पुरस्कार (२) चंद्रधर शर्मा गुलेरी – उसने कहा था (३) सुदर्शन – हार की जीत (४) मन्नू भंडारी – अकेली**
परीक्षा समयावधि	**१:०० घण्टा**

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	पाठ्यक्रम क्रमांक	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्यअंक	कुल अंक
स्नातक	**०१**	**Ability Enhancement Course** **AEC201 - 1C - क्षमता वृद्धि पाठ्यक्रम**	**०१**	**०२**	**२५**	**२५**	**५०**

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रों को हिन्दी कहानी साहित्य से परिचित कराना ।
- छात्रों को हिन्दी के सिद्धहस्त कहानीकारों से परिचित कराना।
- छात्रों को कहानी के माध्यम से शाश्वत मानव-मूल्यों का एहसास कराना ।
- छात्रों में राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव और सामाजिक दायित्व का गुण विकसित करना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक
स्नातक	ईकाई–१	**'पुरस्कार' कहानी का समग्रलक्षी मूल्यांकन**	इनमें से तीन प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०२ × १० = २० (आलोचनात्मक) ०१ × ०५ = ०५ (टिप्पणी-२ में से १)
		'उसने कहा था' कहानी का समग्रलक्षी मूल्यांकन	
	ईकाई–२	**हार की जीत' कहानी का समग्रलक्षी मूल्यांकन**	
		'अकेली' कहानी का समग्रलक्षी मूल्यांकन	
		कुल अंक	**२५**

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक
स्नातक	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए तेरह अंक निर्धारित हैं ।	१३
	सेमिनार	सेमिनार के लिए तीन अंक निर्धारित हैं ।	०३
	होम असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित होम असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	०३
	क्लास असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित क्लास असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	०३
	उपस्थिति	सत्र दौरान छात्र की उपस्थिति के तीन अंक निर्धारित हैं ।	०३
		कुल अंक	**२५**

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१.	आलोचनात्मक प्रश्न	१.००	०२	१०	२०
२.	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी)		०१	०५	०५

नोट : ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय १.०० घण्टे का रहेगा । ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र २५ अंक का रहेगा ।	**पाठ्य पुस्तक : -** **लेखक : -** **प्राप्ति स्थान : -**

संदर्भ ग्रंथ :

१. आधुनिक साहित्य : सृजन और समीक्षा : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी – दि मैकमिलन कंपनी ऑफ इन्डिया लि., दिल्ली
२. हिन्दी वाङ्मय: बीसवीं शतीं : सं. डॉ. नगेन्द्र – विनोद पुस्तक मंदीर, आगरा
३. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशींग हाउस, नयी दिल्ली
४. हिन्दी साहित्य की प्रमुख कृति और कृतिकार : डॉ. नरेन्द्र भानवत – अनुपम प्रकाशन, जयपुर
५. हिन्दी साहित्य का सर्वेक्षण (गद्य–खण्ड) : विश्वम्भर 'मानव' – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
६. हिन्दी गद्य के विविध साहित्य–रूपों का उद्‌भव और विकास : डॉ. बलवन्त लक्ष्मण कोतमिरे –किताब महल, दिल्ली
७. गद्य विविधा : डॉ. नागेश्वर सिंह : डॉ. माया प्रसाद – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
८. हिन्दी कहानी : एक अंतरंग परिचय : श्री उपेन्द्रनाथ अशक – नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद
९. हिन्दी का गद्य पर्व : नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
१०. कहानी नयी पुरानी : नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
११. कथा भारती : डॉ. मेरगसिंह यादव – माँ सरस्वती पब्लिकेशन, उरई
१२. https://hindisamay.com
१३. https://egyankosh.ac.in

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – २०२०

कला-संकाय – स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम – प्रथम सत्र - वर्ष २०२३

विषय	**हिन्दी**
सत्र	**०१**
पाठ्यक्रम प्रकार	**Skill Enhancement Course (SEC) - कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम SEC201 - 1C**
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	**हिन्दी अनुवाद लेखन**
पाठ्यक्रम क्रमांक	**०१**
परीक्षा समयावधि	**१:०० घण्टे**

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	पाठ्यक्रम क्रमांक	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक
स्नातक	**०१**	**Skill Enhancement Course SEC201 - 1C - कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम**	**०१**	**०२**	**२५**	**२५**	**५०**

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रों को अनुवाद कला से परिचित कराना ।
- छात्रों को हिन्दी के प्रारम्भिक अनुवादकों से परिचित कराना ।
- छात्रों को अनुवाद सम्बंधी विभिन्न अवधारणाओं की जानकारी देना ।
- छात्रों को देवनागरी लिपि से परिचित कराना।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक
स्नातक	ईकाई–१	अनुवाद का अर्थ - परिभाषा – स्वरूप	इनमें से तीन प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०२ × १० = २० (आलोचनात्मक) ०१ × ०५ = ०५ (टिप्पणी-२ में से १)
		अनुवाद कला या विज्ञान ?	
		अनुवाद के प्रकार	
	ईकाई–२	अनुवाद के सिद्धांत	
		अनुवादक के गुण	
		अनुवाद की आवश्यकता	
		कुल अंक	**२५**

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक
स्नातक	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए तेरह अंक निर्धारित हैं ।	१३
	सेमिनार	सेमिनार के लिए तीन अंक निर्धारित हैं ।	०३
	होम असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित होम असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	०३
	क्लास असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित क्लास असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	०३
	उपस्थिति	सत्र दौरान छात्र की उपस्थिति के तीन अंक निर्धारित हैं ।	०३
		कुल अंक	**२५**

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१.	आलोचनात्मक प्रश्न	१.००	०२	१०	२०
२.	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी)		०१	०५	०५
नोट : ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय १.०० घण्टे का रहेगा । ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र २५ अंक का रहेगा ।		**पाठ्य पुस्तक :** अनुवाद प्रशिक्षण **लेखक :** – **प्राप्ति स्थान :** केंद्रिय अनुवाद ब्युरो, राजभाषा विभाग, गृह मन्त्रालय, दिल्ली			

संदर्भ ग्रंथ :

१. अनुवाद विज्ञान: सिद्धांत एवं प्रविधि : भोलानाथ तिवारी – भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली
२. भाषा विज्ञान : सैद्धांतिक चिंतन : डॉ. श्री वास्तव
३. मानक हिन्दी : स्वरूप और संरचना : डॉ. रामप्रकाश – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
४. अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएँ : भोलानाथ तिवारी, ओमप्रकाश गावा, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली
५. मानक हिन्दी व्याकरण : डॉ० पृथ्वीनाथ पाण्डेय –जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
६. अनुवाद विज्ञान : भोलानाथ तिवारी – भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली
७. हिन्दी–भाषा : रूप–विकास : डॉ. सरनामसिंह शर्मा 'अरूण' – चिन्मय प्रकाशन, जयपुर
८. हिन्दी शब्दों की विकास कथा : डॉ. देवेन्द्रकुमार जैन – नीलाम प्रकाशन, इलाहाबाद
९. अनुवाद परम्परा और प्रयोग : गोपाल शर्मा, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१०. हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि : डॉ. देवेन्द्रप्रसाद सिंह –जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
११. भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा : रामछबीला त्रिपाठी – किताब महल, इलाहाबाद–१
१२. हिन्दी भाषा : संरचना के विविध आयाम : डॉ. राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
१३. अनुवाद विज्ञान की भुमिका : कृष्ण कुमार गोस्वामी - राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

U.G. SEM-1&2 (NEP-2020) Paper Style

चार क्रेडिट वाले विषय के प्रश्नपत्र का प्रारूप

कुल अंक – ५० समय २ घण्टे

प्र.१ .....१० अंक

अथवा

प्र.१ .....१० अंक

प्र.२ .....१० अंक

अथवा

प्र.२ .....१० अंक

प्र.३ .....१० अंक

अथवा

प्र.३ .....१० अंक

प्र.४ .....१० अंक

अथवा

प्र.४ .....१० अंक

प्र.५ टिप्पणियाँ (२/४) १० अंक

U.G. SEM-1&2 (NEP-2020) Paper Style

दो क्रेडिट वाले विषय के प्रश्नपत्र का प्रारूप

कुल अंक – २५ समय १ घण्टा

प्र.१ .....१० अंक

अथवा

प्र.१ .....१० अंक

प्र.२ .....१० अंक

अथवा

प्र.२ .....१० अंक

प्र.३ टिप्पणियाँ (१/२) ०५ अंक

द्वितीय सत्र

क्रम	कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	पाठ्यक्रम क्रमांक	पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक	कुल व्याख्यान
१	स्नातक	द्वितीय	Major HNM203 – 2C	३	हिन्दी कहानी साहित्य : कथाभारती (सं. डॉ. मेरगसिंह यादव) (१) यशपाल– परदा (२) उषा प्रियंवदा– वापसी (३) फणीश्वरनाथ रेणु – रसप्रिया (४) कमलेश्वर – साँप (५) वृंदावनलाल वर्मा – शरणागत (६) जयशंकर प्रसाद – आकाश-दीप	०४	५०	५०	१००	६०
			Major HNM204 – 2C	४	हिन्दी साहित्य का इतिहास (भक्तिकाल)	०४	५०	५०	१००	६०
२	स्नातक	द्वितीय	Minor HNE202 – 2C	२	नाटक : चंद्रगुप्त – जयशंकर प्रसाद	०४	५०	५०	१००	६०
३	स्नातक	द्वितीय	Multidisciplinary Course MDC202 – 2C	२	चयनित कवि :– सुमित्रानंदन पंत – तारापथ (१) भारतमाता (२) बापू के प्रति (३) प्रथम रश्मि (४) ग्रामश्री (५) मौन निमंत्रण (६) आह ! धरती कितना देती है	०४	५०	५०	१००	६०
४	स्नातक	द्वितीय	Ability Enhancement Course AEC202 – 2C	२	हिन्दी कविता साहित्य : काव्यकलश (सं. विकल गौतम) (१) जयशंकर प्रसाद – बीती विभावरी जाग री (२) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' – सरस्वती वंदना (३) हरीवंशराय बच्चन – जो बीत गई... (४) अज्ञेय – नदी के द्वीप	०२	२५	२५	५०	३०
५	स्नातक	द्वितीय	Skill Enhancement Course SEC202 – 2C	२	हिन्दी रंगमंच	०२	२५	२५	५०	३०
६	स्नातक	द्वितीय	Value Added Course VAC202 – 2C	२	-	०२	२५	२५	५०	३०
					कुल	२२	२७५	२७५	५५०	

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – २०२०

कला-संकाय – स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम – द्वितीय सत्र - वर्ष २०२३

विषय	**हिन्दी**
सत्र	**०२**
पाठ्यक्रम प्रकार	**Major - मुख्य पाठ्यक्रम HNM203 – 2C**
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	**हिन्दी कहानी साहित्य : कथाभारती (१) यशपाल– परदा (२) उषा प्रियंवदा– वापसी (३) फणीश्वरनाथ रेणु – रसप्रिया (४) कमलेश्वर – साँप (सं. डॉ. मेरगसिंह यादव) (५) वृंदावनलाल वर्मा – शरणागत (६) जयशंकर प्रसाद – आकाश-दीप**
पाठ्यक्रम क्रमांक	**०३**
परीक्षा समयावधि	**२:०० घण्टे**

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	पाठ्यक्रम क्रमांक	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक
स्नातक	**०२**	**Major - HNM203 – 2C मुख्य पाठ्यक्रम**	**०३**	**०४**	**५०**	**५०**	**१००**

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रों को हिन्दी कहानी साहित्य से परिचित कराना ।
- छात्रों को हिन्दी के सिद्धहस्त कहानीकारों से परिचित कराना।
- छात्रों को कहानी के माध्यम से शाश्वत मानव-मूल्यों का एहसास कराना ।
- छात्रों में राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव और सामाजिक दायित्व का गुण विकसित करना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक
स्नातक	ईकाई–१	**हिन्दी कहानी का उद्भव-विकास**	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०४ × १० = ४० (आलोचनात्मक) ०१ × १० = १० (टिप्पणी चार में से किन्हीं दो ५×५ = १०)
		हिन्दी कहानी की परिभाषा एवं तात्विक विवेचन	
	ईकाई–२	**'परदा' कहानी का समग्रलक्षी मूल्यांकन**	
		'वापसी' कहानी का समग्रलक्षी मूल्यांकन	
	ईकाई–३	**'रसप्रिया' कहानी का समग्रलक्षी मूल्यांकन**	
		'साँप' कहानी का समग्रलक्षी मूल्यांकन	
	ईकाई–४	**'शरणागत' कहानी का समग्रलक्षी मूल्यांकन**	
		'आकाश-दीप' कहानी का समग्रलक्षी मूल्यांकन	
		कुल अंक	५०

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक
स्नातक	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए पच्चीस अंक निर्धारित हैं ।	२५
	सेमिनार	सेमिनार के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं ।	०५
	होम असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित होम असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	०५
	क्लास असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित क्लास असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	०५
	उपस्थिति	सत्र दौरान छात्र की उपस्थिति के पाँच अंक निर्धारित हैं ।	०५

	समूहचर्चा	समूहचर्चा के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं ।	०५
		कुल अंक	५०

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१.	आलोचनात्मक प्रश्न	२.००	०४	१०	४०
२.	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी)		०२	०५	१०

नोट : ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.०० घण्टे का रहेगा । ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ५० अंक का रहेगा ।	**पाठ्य पुस्तक : कथा भारती** **संपादक : – डॉ. मेरगसिंह यादव** **प्राप्ति स्थान : माँ सरस्वती प्रकाशन, उरई**

संदर्भ ग्रंथ :

१. आधुनिक साहित्य : सृजन और समीक्षा : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी – दि मैकमिलन कंपनी ऑफ इन्डिया लि., दिल्ली
२. हिन्दी वाङ्मय: बीसवीं शर्ती : सं. डॉ. नगेन्द्र – विनोद पुस्तक मंदीर, आगरा
३. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशींग हाउस, नयी दिल्ली
४. हिन्दी साहित्य की प्रमुख कृति और कृतिकार : डॉ. नरेन्द्र भानवत – अनुपम प्रकाशन, जयपुर
५. हिन्दी साहित्य का सर्वेक्षण (गद्य–खण्ड) : विश्वम्भर 'मानव' – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
६. हिन्दी गद्य के विविध साहित्य–रूपों का उद्‌भव और विकास : डॉ. बलवन्त लक्ष्मण कोतमिरे –किताब महल, दिल्ली
७. गद्य विविधा : डॉ. नागेश्वर सिंह : डॉ. माया प्रसाद – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
८. हिन्दी कहानी : एक अंतरंग परिचय : श्री उपेन्द्रनाथ अशक – नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद
९. हिन्दी का गद्य पर्व : नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
१०. कहानी नयी पुरानी : नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
११. https://egyankosh.ac.in
१२. https://hindisamay.com

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – २०२०

कला-संकाय – स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम – द्वितीय सत्र - वर्ष २०२३

विषय	**हिन्दी**
सत्र	**०२**
पाठ्यक्रम प्रकार	**Major - मुख्य पाठ्यक्रम HNM204 – 2C**
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	**हिन्दी साहित्य का इतिहास (भक्तिकाल)**
पाठ्यक्रम क्रमांक	**०४**
परीक्षा समयावधि	**२:०० घण्टे**

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	पाठ्यक्रम क्रमांक	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक
स्नातक	**०२**	**Major - HNM204 – 2C मुख्य पाठ्यक्रम**	**०४**	**०४**	**५०**	**५०**	**१००**

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण भक्तिकाल और रीतिकाल की साहित्यिक परिस्थितियों को विस्तार से समझे ।
- छात्रगण भक्तिकालीन आंदोलन के बारे में विस्तार से समझे ।
- छात्र मध्यकाल के माध्यम से प्राकृतिक, अलौकिक रहस्यानुभूति महसूस करें ।
- छात्रगण भक्ति काव्यधारा का पठन करके एकता, समन्वय, और ईश्वरीय सत्ता के प्रति आशावादी होंगे ।
- छात्र मध्यकालीन साहित्य के माध्यम से जन–साधारण की भावना को समझेंगे ।
- छात्रगण मध्यकालीन साहित्यकारों से परिचित होंगे।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक
स्नातक	ईकाई–१	भक्तिकाल : कालविभाजन एवं नामकरण	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०४ × १० = ४० (आलोचनात्मक) ०१ × १० = १० (टिप्पणी चार में से किन्हीं दो ५×५ = १०)
		भक्तिकाल की परिस्थितियाँ	
	ईकाई–२	भक्तिकाल की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ	
		सगुण काव्यधारा : काव्यगत विशेषताएँ	
	ईकाई–३	सगुण काव्यधारा : प्रमुख कवि	
		निर्गुण काव्यधारा : काव्यगत विशेषताएँ	
	ईकाई–४	निर्गुण काव्यधारा : प्रमुख कवि	
		भक्तिकाल – हिन्दी साहित्य का स्वर्णकाल	
		कुल अंक	५०

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक
स्नातक	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए पच्चीस अंक निर्धारित हैं ।	२५
	सेमिनार	सेमिनार के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं ।	०५
	होम असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित होम असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	०५
	क्लास असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित क्लास असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	०५
	उपस्थिति	सत्र दौरान छात्र की उपस्थिति के पाँच अंक निर्धारित हैं ।	०५
	समूहचर्चा	समूहचर्चा के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं ।	०५
		कुल अंक	५०

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१.	आलोचनात्मक प्रश्न	२.००	०४	१०	४०
२.	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी)		०२	०५	१०

नोट : ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.०० घण्टे का रहेगा ।
★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ५० अंक का रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : हिन्दी साहित्य का इतिहास
लेखक : – रामचन्द्र शुक्ल
प्राप्ति स्थान : नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशींग हाउस, नयी दिल्ली
२. हिन्दी साहित्य की प्रमुख कृति और कृतिकार : डॉ. नरेन्द्र भानवत – अनुपम प्रकाशन, जयपुर
३. हिन्दी साहित्य का सर्वेक्षण (गद्य–खण्ड) : विश्वम्भर 'मानव' – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
४. हिन्दी का गद्य पर्व : नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
५. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
६. लंबी कविताओं का रचना विधान : सं. नरेन्द्रमोहन – दि. मैकमिलकन कंपनी ऑफ इन्डिया लिमिटेड, दिल्ली
७. हिन्दी के निर्माण : कुमुद शर्मा – भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
८. कविता की जमीन और जमीन की कविता : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
९. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल अब तक : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन
१०. हिन्दी भाषा का इतिहास : प्रो. ओमप्रकाश तरूण : रीगल बुक डिपो, दिल्ली
११. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. ईश्वरदत्त शील : डॉ. आभारानी – चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर
१२. हिन्दी साहित्य का प्रवृतिपरक इतिहास : डॉ. सभापति मिश्र – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – २०२०

कला-संकाय – स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम – द्वितीय सत्र - वर्ष २०२३

विषय	**हिन्दी**
सत्र	**०२**
पाठ्यक्रम प्रकार	**Minor – गौण पाठ्यक्रम HNE203 – 2C**
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	**नाटक – चंद्रगुप्त : जयशंकर प्रसाद**
पाठ्यक्रम क्रमांक	**०२**
परीक्षा समयावधि	**२:०० घण्टे**

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	पाठ्यक्रम क्रमांक	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक
स्नातक	**०२**	**Minor - HNE203 – 2C गौण पाठ्यक्रम**	**०२**	**०४**	**५०**	**५०**	**१००**

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण गुप्तयुगीन परिस्थितियों को विस्तार से समझे ।
- छात्रगण जयशंकर प्रसाद के बारे में विस्तार से समझे ।
- छात्र ऐतिहासिक रहस्यानुभूति महसूस करें ।
- छात्रगण ऐतिहासिक नाट्यधारा का पठन करके एकता, समन्वय, और ईश्वरीय सत्ता के प्रति आशावादी होंगे ।
- छात्र गुप्तयुगीन साहित्य के माध्यम से जन–साधारण की भावना को समझेंगे ।
- छात्रगण चंद्रगुप्त जैसे वीर योद्धाओं से परिचित होंगे।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक
स्नातक	ईकाई–१	**जयशंकर प्रसाद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व**	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०४ × १० = ४० (आलोचनात्मक) ०१ × १० = १० (टिप्पणी चार में से किन्हीं दो ५×५ = १०)
		'चंद्रगुप्त' नाटक की कथावस्तु	
	ईकाई–२	**नाटक के तत्वों के आधार पर 'चंद्रगुप्त' नाटक की समीक्षा**	
		'चंद्रगुप्त' नाटक के प्रमुख पात्र	
	ईकाई–३	**'चंद्रगुप्त' नाटक के गौण पात्र**	
		'चंद्रगुप्त' नाटक में व्यक्त ऐतिहासिकता	
	ईकाई–४	**'चंद्रगुप्त' नाटक में व्यक्त जीवन दर्शन**	
		'चंद्रगुप्त' नाटक की भाषा-शैली, उद्देश्य, शीर्षक, परिवेश, संवाद-योजना	
		कुल अंक	५०

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक
स्नातक	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए पच्चीस अंक निर्धारित हैं ।	२५
	सेमिनार	सेमिनार के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं ।	०५
	होम असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित होम असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	०५
	क्लास असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित क्लास असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	०५
	उपस्थिति	सत्र दौरान छात्र की उपस्थिति के पाँच अंक निर्धारित हैं ।	०५
	समूहचर्चा	समूहचर्चा के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं ।	०५
		कुल अंक	५०

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१.	आलोचनात्मक प्रश्न	२.००	०४	१०	४०
२.	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी)		०२	०५	१०

नोट : ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.०० घण्टे का रहेगा । ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ५० अंक का रहेगा ।	**पाठ्य पुस्तक : चंद्रगुप्त** **लेखक : जयशंकर प्रसाद** **प्राप्ति स्थान : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली**

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशींग हाउस, नयी दिल्ली
२. हिन्दी साहित्य की प्रमुख कृति और कृतिकार : डॉ. नरेन्द्र भानवत – अनुपम प्रकाशन, जयपुर
३. हिन्दी साहित्य का सर्वेक्षण (गद्य-खण्ड) : विश्वम्भर 'मानव' – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
४. हिन्दी का गद्य पर्व : नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
५. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
६. हिन्दी नाटक : वर्तमान संदर्भ : डॉ. परमेश्वरी शर्मा, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली
७. हिन्दी के निर्माण : कुमुद शर्मा – भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
८. हिन्दी नाटक : स्त्री संदर्भ : प्रज्ञा, नई किताब प्रकाशन, नई दिल्ली
९. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल अब तक : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन
१०. भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास, अज्ञात, पुस्तक संस्थान, कानपुर
११. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. ईश्वरदत्त शील : डॉ. आभारानी – चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर
१२. हिन्दी साहित्य का प्रवृतिपरक इतिहास : डॉ. सभापति मिश्र – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१३. हिन्दी नाटक: उदभव और विकास, डॉ. दशरथ ओझा राजपाल एंड संस, नयी दिल्ली
१४. भारतीय नाटक और रंगमंच, जगदीश चतुर्वेदी, केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली
१५. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच, नेमिचन्द्र जैन, मैकमिलन, दिल्ली

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – २०२०

कला-संकाय – स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम – द्वितीय सत्र - वर्ष २०२३

विषय	**हिन्दी**
सत्र	**०२**
पाठ्यक्रम प्रकार	**Multidisciplinary Course - बहुविषयक पाठ्यक्रम MDC202 – 2C**
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	**चयनित कवि : सुमित्रानंदन पंत - तारापथ** **(१) भारतमाता (२) बापू के प्रति (३) प्रथम रश्मि (४) ग्रामश्री (५) मौन निमंत्रण (६) आह ! धरती कितना देती है**
पाठ्यक्रम क्रमांक	**०२**
परीक्षा समयावधि	**२:०० घण्टे**

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	पाठ्यक्रम क्रमांक	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक
स्नातक	**०२**	**Multidisciplinary Course –** **MDC202 – 2C बहुविषयक पाठ्यक्रम**	**०२**	**०४**	**५०**	**५०**	**१००**

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रों को हिन्दी कविता साहित्य से परिचित कराना ।
- छात्रों को हिन्दी के सिद्धहस्त कवि सुमित्रानंदन पंत जी से परिचित कराना।
- छात्रों को सुमित्रानंदन पंत जी की कविताओं के माध्यम से मानवीय-मूल्यों के प्रति उन्मुख कराना ।
- प्रकृति कवि सुमित्रानंदन पंत जी की कविताओं के द्वारा छात्रों में ग्राम्य संस्कृति के प्रति समर्पण भाव का गुण विकसित करना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक
स्नातक	ईकाई–१	**सुमित्रानंदन पंत जी का व्यक्तित्व-कृतित्व**	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०४ × १० = ४० (आलोचनात्मक) ०१ × १० = १० (टिप्पणी चार में से किन्हीं दो ५×५ = १०)
		आधुनिक हिन्दी कविता : उद्भव एवं विकास	
	ईकाई–२	**‘भारतमाता’ कविता का समग्रलक्षी मूल्यांकन**	
		‘बापू के प्रति’ कविता का समग्रलक्षी मूल्यांकन	
	ईकाई–३	**‘प्रथम रश्मि’ कविता का समग्रलक्षी मूल्यांकन**	
		‘ग्रामश्री’ कविता का समग्रलक्षी मूल्यांकन	
	ईकाई–४	**‘मौन निमंत्रण’ कविता का समग्रलक्षी मूल्यांकन**	
		‘आह ! धरती कितना देती है’ कविता का समग्रलक्षी मूल्यांकन	
		कुल अंक	५०

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक
स्नातक	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए पच्चीस अंक निर्धारित हैं ।	२५
	सेमिनार	सेमिनार के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं ।	०५
	होम असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित होम असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	०५
	क्लास असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित क्लास असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	०५
	उपस्थिति	सत्र दौरान छात्र की उपस्थिति के पाँच अंक निर्धारित हैं ।	०५
	समूहचर्चा	समूहचर्चा के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं ।	०५
		कुल अंक	५०

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१.	आलोचनात्मक प्रश्न	२.००	०४	१०	४०
२.	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी)		०२	०५	१०

नोट : ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.०० घण्टे का रहेगा ।
★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ५० अंक का रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : - तारापथ
लेखक : - सुमित्रानंदन पंत
प्राप्ति स्थान : - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

१. आधुनिक हिन्दी कविता में पौराणिक संदर्भो की पुर्नरचना, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
२. कविता की जमीन और जमीन की कविता : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
३. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशींग हाउस, नई दिल्ली
४. हिन्दी और गुजराती कविता में राष्ट्रीय अस्मिता : एक तुलनात्मक अध्ययन : डॉ. एस. पी. शर्मा – शान्ति प्रकाशन, रोहतक
५. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल अब तक : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन
६. आधुनिक हिन्दी काव्य, डॉ. भगीरथ मिश्र – डॉ. बलभद्र तिवारी – मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
७. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
८. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
९. हिन्दी के निर्माण : कुमुद शर्मा – भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
१०. कवि धर्म, डॉ. कुंवर चन्द्रप्रकाश सिंह – प्रतिभा प्रतिष्ठापन, नयी दिल्ली
११. समकालीन कवि और काव्य : कल्याणचन्द्र – चिन्तन प्रकाशन, कानपुर
१२. लंबी कविताओं का रचना विधान : सं. नरेन्द्रमोहन – दि. मैकमिलकन कंपनी ऑफ इन्डिया लिमिटेड, दिल्ली
१३. हिन्दी के छायावादी कवि, रामविलास शर्मा, किताब महल, दिल्ली
१४. https://hindisamay.com
१५. https://hi.wikipedia.org
१६. https://egyankosh.ac.in

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – २०२०

कला-संकाय – स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम – द्वितीय सत्र - वर्ष २०२३

विषय	**हिन्दी**
सत्र	**०२**
पाठ्यक्रम प्रकार	**Ability Enhancement Course (AEC) - क्षमता वृद्धि पाठ्यक्रम AEC202 – 2C**
पाठ्यक्रम क्रमांक	**०२**
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	**हिन्दी कविता साहित्य : काव्यकलश (सं. विकल गौतम)** **(१) जयशंकर प्रसाद – बीती विभावरी जाग री (२) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' – सरस्वती वंदना (३) हरीवंशराय बच्चन – जो बीत गई... (४) अज्ञेय – नदी के द्वीप**
परीक्षा समयावधि	**१:०० घण्टे**

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	पाठ्यक्रम क्रमांक	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्यअंक	कुल अंक
स्नातक	**०२**	**Ability Enhancement Course** **AEC202 – 2C - क्षमता वृद्धि पाठ्यक्रम**	**०२**	**०२**	**२५**	**२५**	**५०**

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रों को हिन्दी कविता साहित्य से परिचित कराना ।
- छात्रों को हिन्दी के सिद्धहस्त कवियों से परिचित कराना।
- छात्रों को कविता के माध्यम से शाश्वत मानव-मूल्यों का एहसास कराना ।
- छात्रों में राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव और सामाजिक दायित्व का गुण विकसित करना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक
	ईकाई–१	**'बीती विभावरी जाग री' कविता का समग्रलक्षी मूल्यांकन**	इनमें से तीन प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०२ × १० = २० (आलोचनात्मक) ०१ × ०५ = ०५ (टिप्पणी-२ में से १)
		'सरस्वती वंदना' कविता का समग्रलक्षी मूल्यांकन	
	ईकाई–२	**'जो बीत गई...' कविता का समग्रलक्षी मूल्यांकन**	
		'नदी के द्वीप' कविता का समग्रलक्षी मूल्यांकन	
		कुल अंक	**२५**

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक
स्नातक	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए तेरह अंक निर्धारित हैं ।	१३
	सेमिनार	सेमिनार के लिए तीन अंक निर्धारित हैं ।	०३
	होम असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित होम असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	०३
	क्लास असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित क्लास असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	०३
	उपस्थिति	सत्र दौरान छात्र की उपस्थिति के तीन अंक निर्धारित हैं ।	०३
		कुल अंक	**२५**

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१.	आलोचनात्मक प्रश्न	१.००	०२	१०	२०
२.	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी)		०१	०५	०५

नोट : ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय १.०० घण्टे का रहेगा । ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र २५ अंक का रहेगा ।	**पाठ्य पुस्तक : - काव्यकलश** **संपादक – डॉ. विकल गौतम** **प्राप्ति स्थान : - जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद**

संदर्भ ग्रंथ :

१. प्रमुख खंड काव्यों में आधुनिकता बोध : डॉ. आलोक मिश्र – विकास प्रकाशन, कानपुर
२. कविता की जमीन और जमीन की कविता : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
३. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशींग हाउस, नई दिल्ली
४. हिन्दी और गुजराती कविता में राष्ट्रीय अस्मिता : एक तुलनात्मक अध्ययन : डॉ. एस. पी. शर्मा – शान्ति प्रकाशन, रोहतक
५. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल अब तक : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन
६. आधुनिक हिन्दी काव्य, डॉ. भगीरथ मिश्र – डॉ. बलभद्र तिवारी – मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
७. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
८. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
९. हिन्दी के निर्माण : कुमुद शर्मा – भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
१०. कवि धर्म, डॉ. कुंवर चन्द्रप्रकाश सिंह – प्रतिभा प्रतिष्ठापन, नयी दिल्ली
११. समकालीन कवि और काव्य : कल्याणचन्द्र – चिन्तन प्रकाशन, कानपुर
१२. लंबी कविताओं का रचना विधान : सं. नरेन्द्रमोहन – दि. मैकमिलकन कंपनी ऑफ इन्डिया लिमिटेड, दिल्ली
१३. हिन्दी महाकाव्यों में नायिका की परिकल्पना : डॉ. उर्मिला – सरस्वती प्रकाशन, कानपुर
१४. https://hindisamay.com
१५. https://egyankosh.ac.in

भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्व-विद्यालय, जूनागढ़

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – २०२०

कला-संकाय – स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम – द्वितीय सत्र - वर्ष २०२३

विषय	**हिन्दी**
सत्र	**०२**
पाठ्यक्रम प्रकार	**Skill Enhancement Course (SEC) - कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम SEC202 – 2C**
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	**हिन्दी रंगमंच**
पाठ्यक्रम क्रमांक	**०२**
परीक्षा समयावधि	**१:०० घण्टे**

पाठ्यक्रम कक्षा		सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	पाठ्यक्रम क्रमांक	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक
स्नातक		**०२**	**Skill Enhancement Course** **SEC202 – 2C - कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम**	**०२**	**०२**	**२५**	**२५**	**५०**

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रों को रंगमंच कला से परिचित कराना ।
- छात्रों को रंगमंच से जुडी व्यावसायिक मण्डलियों की जानकारी देना ।
- छात्रों को भारतीय रंगमंच की विभिन्न अवधारणाओं से परिचित कराना ।
- छात्रों को नाटक और रंगमंच की पारस्परिकता से परिचित कराना।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक
स्नातक	ईकाई–१	रंगमंच का अर्थ - परिभाषा – स्वरूप	इनमें से तीन प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०२ × १० = २० (आलोचनात्मक) ०१ × ०५ = ०५ (टिप्पणी-२ में से १)
		रंगमंच के प्रकार	
		हिन्दी रंगमंच का उद्भव – विकास	
	ईकाई–२	हिन्दी रंगमंच का प्रवृत्तिगत अध्ययन	
		आधुनिक हिन्दी रंगमंच	
		नाटक और रंगमंच की पारस्परिकता	
		कुल अंक	**२५**

आंतरिक मूल्यांकन

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक
स्नातक	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए तेरह अंक निर्धारित हैं ।	१३
	सेमिनार	सेमिनार के लिए तीन अंक निर्धारित हैं ।	०३
	होम असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित होम असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	०३
	क्लास असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित क्लास असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	०३
	उपस्थिति	सत्र दौरान छात्र की उपस्थिति के तीन अंक निर्धारित हैं ।	०३
		कुल अंक	**२५**

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

क्रम	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१.	आलोचनात्मक प्रश्न	१.००	०२	१०	२०
२.	संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी)		०१	०५	०५

नोट : ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय १.०० घण्टे का रहेगा । ★ परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र २५ अंक का रहेगा ।	**पाठ्य पुस्तक :** - **लेखक :** – **प्राप्ति स्थान :** -

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी रंगमंच का इतिहास, डॉ. चंदूलाल दुबे, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
२. हिन्दी नाटक और रंगमंच, सं. रामकुमार वर्मा, हिन्दुस्तानी अकादमी, दिल्ली
३. भारतीय तथा पाश्चात्य रंगमंच, सीताराम चतुर्वेदी, हिन्दी समिति, सूचना विभाग, लखनऊ
४. हिन्दी नाटक और रंगमंच, महर्षि दयानंद सरस्वति विश्व-विद्यालय, रोहतक
५. हिन्दी साहित्य का इतिहास, महर्षि दयानंद सरस्वति विश्व-विद्यालय, रोहतक
६. हिन्दी नाटक और रंगमंच, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विश्व-विद्यालय, वर्धा
७. रंगमंच नया परिदृश्य, सीतारानी पालीवाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
८. रंगकर्म - आयाम दर आयाम, प्रो. सतीश मेहता, विकास प्रकाशन, कानपुर
९. हिन्दी नाटक: उद्भव और विकास, दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, दिल्ली
१०. लिंग, धर्म और आधुनिक हिंदी नाटक, डायना दिमित्रोवा, मैकगिल-क्वीन्स यूनिवर्सिटी प्रेस
११. भारतीय रंगमंच के क्षितिज, वैज्ञानिक अनुसंधान और सांस्कृतिक कार्य मंत्रालय, भारत सरकार
१२. भरत नाट्य शास्त्र में नाट्यशालाओं के रूप, राय गोविंदचंद्र, विकास प्रकाशन, कानपुर

U.G. SEM-1&2 (NEP-2020) Paper Style

चार क्रेडिट वाले विषय के प्रश्नपत्र का प्रारूप

कुल अंक – ५० **समय २ घण्टे**

प्र.१ .....१० अंक

अथवा

प्र.१ .....१० अंक

प्र.२ .....१० अंक

अथवा

प्र.२ .....१० अंक

प्र.३ .....१० अंक

अथवा

प्र.३ .....१० अंक

प्र.४ .....१० अंक

अथवा

प्र.४ .....१० अंक

प्र.५ टिप्पणियाँ (२/४) १० अंक

U.G. SEM-1&2 (NEP-2020) Paper Style

दो क्रेडिट वाले विषय के प्रश्नपत्र का प्रारूप

कुल अंक – २५ **समय १ घण्टा**

प्र.१ .....१० अंक

अथवा

प्र.१ .....१० अंक

प्र.२ .....१० अंक

अथवा

प्र.२ .....१० अंक

प्र.३ टिप्पणियाँ (१/२) ०५ अंक